www.a2zpapers.com

Class – M.A.–IV Sem.

Subject –Hindi

Paper – XVI मध्यकालीन काव्य

Time Allowed : 3 hrs. **Maximum Marks : 80**

खण्ड–क

नोटः निम्नलिखित में से किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या 2½ पृष्ठों में करें।

1. राम राज बैठे त्रैलोका। हरषित भए गए सब सोका॥
बयरु न कर काहू सन कोई। राम प्रताप विषमता खोई॥
दैहिक दैविक भौतिक तापा। राम राज नहि काहुहिं व्यापा॥
सब नर करहिं परस्पर प्रीति। चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीतिः

अथवा

2. तू दयालु दीन हौं तू दानि हौं भिखारी।
हौं प्रसिद्ध पातकी तु पापपुंजहारी॥
नाथ तू अनाथ को अनाथ कौन मोसों।
मो समान आरत नहिं आरतहर तोसों
बहत तू हौं जीत तुही ठाकुर हौं चेरो।
तात मात गुरु सखा तू सब विधि हितु मेरो॥

अथवा

3. हे री मैं तो प्रेम दिवानी, मेरा दरद न जाने कोय
सूली ऊपर सेज हमारी, किस बिध सोणा होय॥
गगन मंडल पै सेज पिया की, किस बिध मिलणा होय।
घायल की गत घायल जानैं, के जिन घायल होय॥

www.a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

दरद की मारी बन बन डोलूँ बैद मिलयो नहिं कोय॥

मीरां के प्रभु पीड़ मिटैगी, बैद साँवलिया होय॥

अथवा

4. जो तुम तोड़ो पिया मैं नहिं तोड़ूँ,

तेरी प्रीत तोड़ि प्रभु कौन संग जोड़ूँ।

तुम भये तरुवर मैं भई पंखियां

तुम भये सरवर मैं तेरी मछियां॥

तुम भये गिरवर मैं भई मोरा।

तुम भये चंदा भई मैं चकोरा॥

बाई मीरा के प्रभु ब्रज के बासी।

तुम मेरे ठाकुर मैं तेरी दासी॥

अथवा

5. मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ

जा तन की झाई परैं श्याम हरि-दुति होई।

तो पर वारौं उरबसी, सुनि, राधिके सुजान।

तू मोहन कैं उर बसी है उरबसी-समान

अथवा

6. जयमाला, छापैं तिलक सरै न एकौ कामु।

मन-काँचे नाचै वृथा, साँचे राँचे रामु॥

प्रगट भए द्विजराज-कुल, सुबस बसे ब्रज आइ।

मेरे हरौ कलेस सब, केसव केसवराइ॥ 6×4=24

नोट: निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर 2½ पृष्ठों में दें।

1. गुरु गोबिंद सिंह जी के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालें।

www.a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

2. तुलसीदास की भक्ति भावना स्पष्ट करें।

3. विनयपत्रिका का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसका प्रतिपाद्य लिखें।

4. मीराबाई की वाणी का काव्य सौष्ठव स्पष्ट करें।

5. मीराबाई के काव्य के दार्शनिक सिद्धान्तों का वर्णन करें।

6. बिहारी सतसई का प्रतिपाद्य स्पष्ट करें। 6×4=24

खण्ड-ख

नोट: निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर लगभग पांच पृष्ठों में दें।

1. तुलसीदास के कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी रचना 'रामचरितमानस' का साहित्यिक मूल्यांकन करें।

2. 'तुलसीदास का काव्य समन्वय की विराट-चेष्ठा है' तुलसी की समन्वय भावना स्पष्ट करें।

3. मीराबाई की भक्ति-भावना स्पष्ट करें। 16×2=32

******

www.a2zpapers.com